

फर्द अहकाम

कानापुरी बनाम TDR

नाम न्यायालय :- उपखण्ड अधिकारी प्राणी

केस संख्या:- 89/2025 निर्णय

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
27/10/25		<p>पत्रावली पेश हुई वहील प्रार्थी (उप) अप्रार्थी सं. ① वाड तामिल उपस्थित नहीं हुआ जवाब हेतु तहरीर भिजवाये जाने पर भी जवाब भी नहीं भिजवाया गया। इसलिये अप्रार्थी सं. ① के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही आगल के लाई जाती है। पत्रावली में बहल सुनी गयी पत्रावली पालत निर्णय दिनांक 30/10/25 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">उपखण्ड अधिकारी प्राणी</p>
30/10/25		<p>पत्रावली पेश हुई वहील प्रार्थी (उप) पूर्व बहल सुनी गयी आज निर्णय सुनाया जाता है प्रार्थी को प्रो. पत्र स्वीकार किया जाता है विस्तृत निर्णय पुचउ से टंकित किया जाऊर तामिल भिजल किया गया। पत्रावली दर्ज नं. से उक्त ही दाखिल दफतर रहे।</p> <p style="text-align: right;">उपखण्ड अधिकारी प्राणी</p>



सी ७
नोबल

महोदय,



कानापुरी पीपी बगाम तहसीलदार पीपी
मु०न०- 89/2025
निर्णय दिनांक- 30.10.2025

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी फागी जिला जयपुर

मु०न० :- 89/2025

निर्णय दिनांक :- 30.10.2025

बइजलास :- राकेश कुमार II (आर०ए०एस०)

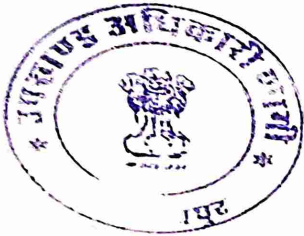
1. कानापुरी पुत्र भगवानपुरी जाति गुसाई निवासी शंकरपुरा तहसील फागी जिला जयपुर राज०।
2. माधोपुरी पुत्र नाहरूपुरी जाति गुसाई निवासी शंकरपुरा तहसील फागी जिला जयपुर राज०।
3. रामेश्वरपुरी पुत्र भगवानपुरी जाति गुसाई निवासी शंकरपुरा तहसील फागी जिला जयपुर राज०।

प्रार्थीगण

बनाम

1. तहसीलदार फागी, तहसील फागी जिला जयपुर राज०।

अप्रार्थी



प्रार्थना पत्र तरमीम दुरुस्ती नक्शा ट्रेस
अन्तर्गत धारा 131, 111 राज० भू० राजस्व अधिनियम

उपस्थिति विद्वान अधिवक्ता :- श्री पुरुषोत्तम शर्मा वकील प्रार्थीगण

निर्णय

दिनांक :- 30.10.2025

वाद पत्र के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि जमावंदी सम्वत 2075 से 2078 के आराजी खाता सं० 160 के आराजी खसरा नम्बर 302 रकबा 0.5058 हैक्टेयर भूमि वाके ग्राम शंकरपुरा तहसील फागी जिला जयपुर राज० मे स्थित है जो प्रार्थीगण के नाम से राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज चली आ रही है। नक्शा ट्रेस में खसरा नम्बर 302 जो कि खसरा नंबर 309 के लगवा दक्षिण दिशा में नीचे की तरफ से लगवा उत्तर साइड मे दर्ज है एवं मौके पर भी इसी अनुसार प्रार्थीगण अपने बुर्जुर्गों के समय से ही काबिज काश्त करते आ रहे है एवं जिसकी दिनांक 16.09.2015 को पटवारी महोदय द्वारा भी पी 35 65/16.09.2015 को नक्शा ट्रेस जारी किया गया था तथा उसी अनुसार काबिज है। अभी हाल ही में नवीन सैटलमेंट राज्य सरकार की डी एल आर एम पी योजना के तहत की गई जिसमें प्रार्थीगण के उक्त खसरा नम्बर की वास्तविक कब्जे व रिकॉर्ड के विरुद्ध जाकर अप्रार्थी के कर्मचारियों द्वारा विधि विरुद्ध प्रार्थीगण

उपखण्ड अधिकारी
फागी

की खातेदारी भूमि की गलत तरमीम करते हुए खसरा नम्बर ३१० जो कि रास्त है के लगवा कर दी गई जो कि गलत है तथा दुरुस्त किये जाने योग्य है। राजस्व हाल नक्शा ट्रेस में जो तरमीम गलत रूप से अंकन की गई है। उससे प्रार्थीगण को उपयोग व उपयोग से वंचित होना पड़ रहा है तथा उक्त जो गलत तरमीम की गई है वह काबिले दुरुस्त है। प्रार्थीगण द्वारा दिनांक ३०.०५.२०२५ को राजस्व रिकार्ड की सम्पूर्ण नकले प्राप्त करने पर राजस्व रिकार्ड नक्शा ट्रेस में हुई त्रुटि की जानकारी प्राप्त होने पर प्रार्थीगण ने अप्रार्थीग के यहां तरमीम दुरुस्त करने बाबत प्रार्थना पत्र पेश किया जिस पर अप्रार्थी तहसीलदार द्वारा माननीय न्यायालय में चाराजोही करने की हिदायत दी जिस कारण प्रार्थीगण श्रीमान को प्रार्थना पत्र तरमीम दुरुस्ती प्रार्थना पत्र पेश करना लाजिमी हुआ है। प्रार्थना पत्र दिनांक ०३.०५.२०२५ को अप्रार्थी के यहां प्रार्थना पत्र पेश करने पर तरमीम दुरुस्ती से इंकार हो जाने तथा माननीय न्यायालय में चाराजोही की हिदायत दिए जाने के कारण उत्पन्न हुआ जो अंदर मियाद प्रस्तुत है। विवादित आराजीयात एवं पक्षकारान का निवास स्थान माननीय न्यायालय के क्षेत्राधिकार में स्थित होने से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र की सुनवाई का श्रीमान न्यायालय को श्रवणाधिकार प्राप्त है।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण की तलबी जारी की गई। अप्रार्थी सं० १ न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए इसलिए अप्रार्थी सं. १ के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती है।।

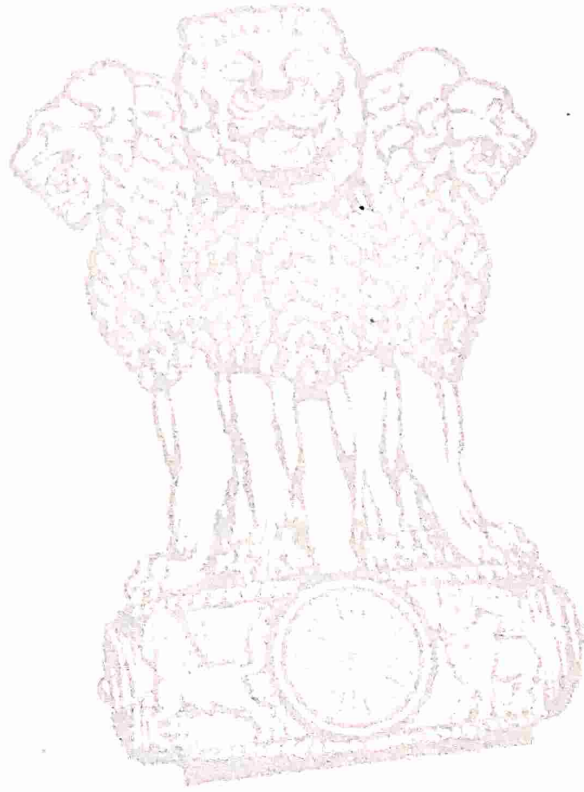
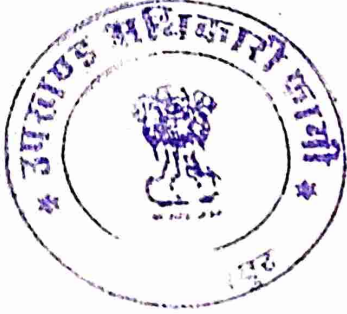
बहस विद्वान अधिवक्ता एकतरफा सुनी गई। वकील प्रार्थीगण ने अपने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

बहस पर मनन एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। संलग्न रिकार्ड के अवलोकन करने पर पाया की मुताबिक जमाबन्दी सम्वत २०७५ - २०७८ वाके ग्राम शंकरपुरा के खाता सं० १६० में प्रार्थीगण रिकार्डेड खातेदार है। मुताबिक नक्शा सरहद मौका पचाला के अनुसार ख०नं० ३०२ जो ख०नं० ३०१ के नीचे लगवा स्थित था। लेकिन डीआईएलआरएमपी में उक्त ख०नं० ३०२ को ख०नं० ३१० की लाईन व ख०नं० ३०१ के ऊपर दर्शित कर दिया गया है। जिसके अवलोकन से ही पूर्णतया स्पष्ट है कि पूर्व तरमीम व वर्तमान तरमीम में भिन्नता है। जिसे दुरुस्त किया जाना न्यायोचित समझते है।

आदेश

अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विवादग्रस्त खाता सं० 160 के आराजी खसरा नम्बर 302 रकबा 0.5058 हैक्टेयर भूमि वाके ग्राम शंकरपुरा तहसील फागी जिला जयपुर राजस्थान मे स्थित आराजीयात की वर्तमान तरमीम को निरस्त किया जाकर तरमीम को हजफ फरमाया जाकर साबिक नक्शे अनुसार तरमीम किये जाने के आदेश तहसीलदार फागी को दिये जाते है।

निर्णय आज दिनांक 30.10.2025 को सरे इजलास सुनाया जाता है



30/10/25
(राकेश कुमार II)
उपखण्ड अधिकारी
फागी जिला जयपुर

सत्यमेव जयते